हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

61वां आईएचजीएफ दिल्ली मेला (स्प्रिंग) - होम, लाइफस्टाइल, फैशन, फर्निशिंग डेकोर सामानों एवं फर्नीचर पर खास फोकस के साथ 14 से 18 फरवरी 2026 तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट में आयोजित

ईपीसीएच ने यूरोपीय संघ वन कटाई रोकथाम विनियमन (ईयूडीआर)- अनुपालन आवश्यकता और चुनौतियों पर जागरूकता सेमिनार आयोजित किया

अमेरिकी टैरिफ चुनौतियों के बीच अहम मुद्दे और नए निर्यात अवसरों पर चर्चा

धातु शिल्प पर डिजाइन एवं प्रोद्योगिकी विकास कार्यशाला (डीडीडब्ल्यू) का उद्घाटन

जोधपुर, राजस्थान –23 अगस्त 2025 – हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने 23 अगस्त 2025 को जोधपुर में ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना की अध्यक्षता में यूरोपीय संघ वन कटाई विनियमन (ईयूडीआर), हस्तशिल्पों के निर्यात पर भविष्य में अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव पर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार; ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवदेश अग्रवाल; ईपीसीएच के सीओए सदस्य श्री हंसराज बाहेती; राजस्थान के प्रमुख निर्यातक सदस्य श्री नरेश बोथरा, श्री निर्मल भंडारी, श्री लेखराज माहेश्वरी, श्री राधेश्याम रंगा, श्री राजू मेहता, श्री प्रियेश भंडारी भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में राजस्थान भर से लगभग 200 निर्यातकों और हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम में चर्चा का मुख्य विषय ईयूडीआर के तहत लकड़ी के निर्यातकों द्वारा सामना की जाने वाली अनुपालन आवश्यकताएं और उन्हें आने वाली चुनौतियां थीं, साथ ही, वैश्विक व्यापार में अस्थिरता, उत्पादन में बाधाएं और हालिया अमेरिकी टैरिफ के प्रभावों को लेकर भी चिंता जताई गई। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि इस दौरान अधिकारियों ने धातु शिल्प (मेटल क्राफ्ट) पर एक डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी विकास कार्यशाला (डीडीडब्ल्यू) का भी उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य भारत की सबसे मजबूत पारंपरिक शिल्प कलाओं में से एक- धातु हस्तशिल्प- में तकनीकी कौशल को बढ़ाना, डिजाइन में नवाचार और उत्पादों में विविधता लाना है।

इस कार्यक्रम के दौरान, ईपीसीएच ने विश्वस्तर पर सराहे गए आईएचजीएफ- दिल्ली मेले के 61वें संस्करण की नई तारीखों की भी घोषणा की, जिसे अब 14 से 18 फरवरी 2026 तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट में आयोजित किया जाएगा। हस्तशिल्प और हस्तनिर्मित उत्पादों की दुनिया की सबसे बड़ी प्रदर्शनियों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त यह मेला घरेलू सजावट, जीवनशैली, फैशन, फर्नीचर और फर्निशिंग उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण सोर्सिंग प्लेटफॉर्म बना हुआ है। इस सेक्टर के सभी स्टेकहोल्डर, प्रतिभागी और आगंतुक इस बहुप्रतीक्षित व्यापारिक आयोजन के माध्यम से नए व्यापार अवसरों की खोज के लिए उत्सुक रहते हैं, जो विदेशी खरीदारों, खरीदारी एजेंट और सोर्सिंग पेशेवरों के साथ-साथ बड़े पैमाने पर घरेलू खुदरा खरीदारों का भी स्वागत करता है।

नई तारीखों का एलान करते हुए ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने साझा किया कि, "आईएचजीएफ दिल्ली मेला के 61वें स्प्रिंग'26 संस्करण को 'विशेष फर्नीचर संस्करण' के रूप में पुनः स्थापित किया गया है। यह स्प्रिंग संस्करण में प्रदर्शित किए जाने वाले होम, लाइफस्टाइल, फैशन, फर्निशिंग एवं डेकोर के उत्पादों से बढ़कर होगा, जिससे यह हाल के वर्षों के सबसे बहुप्रतीक्षित संस्करणों में से एक बन गया है। फर्नीचर पर केंद्रित संस्करण बनाने और इसे अंतरराष्ट्रीय सोर्सिंग कैलेंडर के अनुसार घरेलू और उपभोक्ता उत्पादों के एक प्रमुख वैश्विक व्यापार मेले एम्बिएंते फ्रैंकफर्ट 2026 के तुरंत बाद आयोजित करने का हमारा निर्णय इस बात को दर्शाता है कि हम भारतीय निर्यातकों को बेहतरीन अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

डॉ. खन्ना ने आगे कहा, "इस बार भारतीय फर्नीचर प्रदर्शकों के लिए, चाहे वो स्थापित हों या उभरते हुए, अधिक जगह और उनको समर्पित खास हॉल और थीम पर आधारित पेशकश के साथ; 61वें आईएचजीएफ दिल्ली मेला स्प्रिंग भारतीय फर्नीचर निर्यातकों को एक अधिक बिजनेस-केंद्रित और फायदेमंद मंच देगा। मैं खासतौर पर जोधपुर के प्रदर्शकों और निर्यातकों से अपील करता हूं, जो अपनी लकड़ी की फर्नीचर, लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स और विशिष्ट शिल्प परंपराओं के लिए दुनियाभर में जाने जाते हैं कि वे इस अनूठे मंच का भरपूर इस्तेमाल करें, अपना वैश्विक कारोबार बढ़ाएं और 61वें संस्करण को एक यादगार मेला

बनाएं।" डॉ. खन्ना ने निर्यातकों को घरेलू बाज़ार और जोधपुर, जयपुर और मुरादाबाद में भारत का पहला बी2बी कैश एंड कैरी स्टोर में संभावनाएं तलाशने करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

रणनीतिक औचित्य के महत्व को बताते हुए ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा, "यूरोपीय संघ के वनों की कटाई से संबंधित नियम लकड़ी के हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए, खासकर एमएसएमई और कारीगर-आधारित उद्यमों के लिए एक गंभीर चुनौती पेश करते हैं। हम दीर्घकालिक और जिम्मेदार व्यापार का पूरा समर्थन करते हैं, लेकिन हमारे लकड़ी के हस्तशिल्प क्षेत्र की अनूठी प्रकृति को पहचानना जरूरी है, जो एग्रोफॉरेस्ट्री या कृषि वानिकी पर आधारित है और वनों की कटाई में इसका कोई योगदान नहीं है।"

डॉ. राकेश कुमार ने इसके बाद कहा, "इस क्षेत्र को हाल ही में अमेरिका के टैरिफ वृद्धि जैसे मुद्दों से भी निपटना होगा। अमेरिका भारत के हस्तशिल्प निर्यात का 40% से अधिक हिस्सा खरीदता है, और नए टैरिफ हमारे शिपमेंट को एक-तिहाई तक घटा सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में, खास रणनीतिक कार्रवाइयां या लक्षित हस्तक्षेप (टारगेटेड इन्टरवेंशन) और बाजार के मुताबिक रणनीतियां बेहद जरूरी हैं और ईपीसीएच नीतिगत वकालत और निर्यात संवर्धन के बीच संतुलन बनाकर हमारे हस्तशिल्प निर्यातकों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है।" डॉ. कुमार ने निर्यातकों से यूरोपीय संघ, मध्य पूर्व, पूर्वी एशिया और लैटिन अमेरिका जैसे उभरते और उच्च-संभावना वाले क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का आग्रह किया। इस विविधीकरण से न केवल एकल बाजार पर निर्भरता कम होगी, बल्कि हमारे निर्यातकों के लिए विकास के नए अवसर भी खुलेंगे।

ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल ने कहा कि, "मेले की योजना और नीतिगत संवाद के साथ-साथ कौशल विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। डीडीडब्ल्यू जैसी कार्यशालाओं के जरिए हम कारीगरों और एमएसएमई को उनकी पेशकशों को आधुनिक बनाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद पहुंचा रहे हैं। साथ ही, हम भारतीय हस्तशिल्प पर अमेरिका की ओर से बदले की भावना से लगाए गए टैरिफ के प्रभावों से तत्काल राहत पाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।"

ईयूडीआर पर जागरूकता सेमिनार के महत्व को रेखांकित करते हुए ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति के सदस्य श्री हंसराज बहेती ने साझा किया कि, "यह जरूरी है कि भारतीय निर्यातक, खास कर जो काष्ठ हस्तशिल्प और फर्नीचर क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों हैं वो इस नए विनियमनों के प्रभावों को अच्छी तरह समझें। इस सेमिनार के माध्यम से, हमारा लक्ष्य हमारे स्टेकहोल्डर्स को सही जानकारी और मार्गदर्शन देने का है, ताकि वो संभावित जोखिमों को कम कर सकें और यूरोपीय संघ जैसे पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रह सकें।"

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा, "61वें आईएचजीएफ दिल्ली मेला - स्प्रिंग 2026 का पुनर्निर्धारण हस्तशिल्प क्षेत्र की बदलती जरूरतों के प्रति ईपीसीएच की जवाबदेही को दर्शाता है। मेले का संशोधित कार्यक्रम केवल नई तारीखों के बारे में नहीं है, बल्कि नए सिरे से फोकस करने के बारे में है। दूसरी ओर, अमेरिका द्वारा हाल ही में बदले की भावना से लगाया गया टैरिफ एक गंभीर चिंता का विषय हैं। ईपीसीएच ने सरकार के साथ मिलकर सक्रिय कदम उठाए हैं और कुछ आपातकालीन राहत उपायों की सिफारिश की है, जिनमें लागत समान करने की योजना, बढ़े हुए ब्याज को समान करने की योजना, आयकर में पहले की तरह 80एचसीसी के तहत छूट, एमईआईएस योजना की बहाली, आरओडीटीईपी दरों में वृद्धि, और व्यापार वार्ताओं को तेजी से आगे बढ़ाने जैसे सुझाव शामिल हैं। इसके साथ ही हम बाजार में विविधता लाने और दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी ध्यान दे रहे हैं, ताकि इस चुनौतीपूर्ण समय में हमारे निर्यातकों को पूरा सहयोग मिल सके।"

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न हस्तशिल्प क्लस्टर्स में काम कर रहे लाखों कारीगरों के जादुई हाथों से बने उत्पादों – जैसे होम डेकोर, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर, फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज़ को वैश्विक ब्रांड बनाने की दिशा में कार्य करने वाली एक नोडल एजेंसी है। उन्होंने बताया कि साल 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात ₹33,123 करोड़ (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा और साल 2024-25 के दौरान काष्ठ हस्तशिल्पों का निर्यात ₹8,524.74 करोड़ (1,008.04 मिलियन अमेरिकी डॉलर) था, जिसमें रुपये के संदर्भ में 6% और अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में 3.84% की वृद्धि दर्ज की गई, अकेले यूरोपीय संघ को कुल ₹2,591.29 करोड़ (306.40 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के निर्यात किए गए। साल 2024-25 के दौरान अमेरिका को कुल ₹2,591.29 करोड़ (306.40 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के हस्तशिल्पों के निर्यात किए गए जो कि भारत से किए गए कुल हस्तशिल्प निर्यात का 40% से अधिक हिस्सा है।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच

+91-9810679868

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

61st IHGF Delhi Fair (Spring) - Home, Lifestyle, Fashion, Furnishings and Décor items with Special Focus on Furniture from 14th to 18th February 2026 at India Expo Centre & Mart, Greater Noida

EPCH organised awareness seminar on European Union Deforestation Prevention Regulation (EUDR) - compliance requirement and challenges

Addressed Key issues and New Export Opportunities Amid US Tariff Challenge

Design & Technology Development Workshop (DDW) on Metal Craft got inaugurated

Jodhpur, Rajasthan – 23rd August'2025 – The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) organised an awareness seminar on European Union Deforestation Regulation (EUDR), implication of US Tariff on exports of Handicrafts in Jodhpur on 23rd August 2025 under the chairmanship of Dr. Neeraj Khanna, Chairman – EPCH alongwith Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role Chief Mentor, EPCH and Chairman IEML; Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH; Shri Hansraj Baheti, Member -COA Prominent member exporters from Rajasthan:- Shri Naresh Bothra, Shri Nirmal Bhandari, Shri Lekhraj Maheswari, Shri Radheshyam Ranga, Shri Raju Mehta, Shri Priyesh Bhandari were present.

The programme witnessed enthusiastic participation from around 200 exporters and stakeholders across Rajasthan. The deliberations focused on compliance requirement and challenges faced by wooden exporters w.r.t EUDR and concerns around global trade volatility, production constraints and recent US tariffs impact. Officials also inaugurated a Design & Technology Development Workshop (DDW) on metal craft. This initiative aims to upgrade technical skills, design innovation and product diversification in metal handicrafts—one of India's strongest traditional segments, informed Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

Along the sideline of the event, EPCH also announced new dates for the 61st edition of globally acclaimed IHGF-Delhi fair which will be held from 14th – 18th February'2026 at India Expo Centre & Mart, Greater Noida. Recognized as one of the world's largest exhibitions of handicrafts and handmade products, the fair will continue to serve as a pivotal sourcing platform for home, lifestyle, fashion, furniture and furnishings products. Stakeholders, participants and visitors have always been waiting to explore new business opportunities through this highly anticipated trade event, which welcomes overseas buyers, buying and sourcing professionals, as well as large-volume domestic retail buyers.

Announcing new dates Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH shared that "The 61st edition of IHGF Delhi Fair Spring'26 has repositioned as 'Special Furniture Edition'. This would be over and above the Home, lifestyle, fashion, furnishings and décor items displayed in the spring edition making it one of the most anticipated editions in recent years. Our decision to create a furniture-focused edition and aligning with the international sourcing calendar to directly follow Ambiente Frankfurt 2026, a key global trade fair for home and consumer goods reflects our commitment to provide Indian exporters with the best opportunities."

Dr. Khanna further added "with additional spaces, dedicated halls exclusively for Indian furniture exhibitors—both established and emerging and a theme-driven approach; the 61st IHGF Delhi Fair Spring will deliver a more business-centric and productive platform for Indian furniture exporters. I have a special appeal to Jodhpur's exhibitors and exporters renowned worldwide for their wooden furniture, lifestyle products and unique craft traditions to display and leverage this unparalleled platform to expand global market reach and make 61st edition a milestone edition of the fair. Dr Khanna also encouraged exporters to explore domestic market and to be launched India's first B2B Cash & Carry store in Jodhpur, Jaipur & Moradabad."

Highlighting the strategic rationale, Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor – EPCH and Chairman IEML shared "The European Union's deforestation regulations present a critical challenge for wooden handicraft exporters, particularly MSMEs and artisan-based enterprises. While we fully support sustainable and responsible trade, it is essential to recognize the unique nature of our wooden handicrafts sector, which relies on agroforestry and does not contribute to deforestation. He further added "the sector must also navigate issues like the recent US tariff hike. The U.S. accounts for over 40% of India's handicrafts exports, and the new tariff could reduce shipments by nearly one-third. At this juncture, targeted interventions, combined with market alignment, are crucial and EPCH is committed to balance export promotion with policy advocacy to protect our handicraft exporters." Dr. Kumar urged exporters to expand footprint in emerging and high-potential regions such as the European Union, the Middle East, East Asia and Latin America. This diversification will not only reduce dependence on a single market but also open new growth opportunities for our exporters".

Shri Avdesh Agarwal, Chief Convener, EPCH shared that "In addition to fair planning and policy dialogue, skill development remains our top priority. Through workshops like DDW, we are helping artisans and MSMEs modernize their offerings and compete globally. At the same time, we are actively working with government agencies to seek urgent relief from the impacts of the retaliatory tariff imposed by the U.S. on Indian handicrafts. Shri Agarwal also shared IHGF Delhi in february is going to be mega fair for Jodhpur".

Highlighting the importance of awareness seminar on EUDR Shri Hansraj Baheti, Member CoA EPCH shared that "It is essential for Indian exporters, especially those in the wooden handicrafts and furniture segments, to understand the implications of this new regulation. Through this seminar, we aim to equip our stakeholders with the right knowledge to navigate these evolving compliance frameworks, mitigate risks and remain competitive in environmentally sensitive markets like the EU"

Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH shared "rescheduling of the 61st IHGF Delhi Fair – Spring 2026 reflects EPCH's responsiveness to the evolving needs of the Handicrafts sector. The fair's rescheduling is not just about new dates, it's about renewed focus. On the other hand, the recent retaliatory tariff imposed by the United States poses a serious concern. EPCH has taken proactive steps by engaging with the government, recommending emergency relief measures including a cost equalisation scheme, enhanced interest equalisation scheme, Income Tax exemption like erstwhile 80HCC, restoration of MEIS, enhancement of RoDTEP rates, and fast-tracking trade dialogues. We are also focused on market diversification and building long-term competitiveness to support our exporters during this challenging phase" he added.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of craftspersons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US $ 3,918 Million) and the exports of wooden Handicrafts during the year 2024-25 was 8524.74 crores (US$ 1,008.04 million) registering a growth of 6% in rupee term and 3.84% in dollar term with exports to European Union alone stood at Rs. 2,591.29 crore (USD 306.40 million). The exports of handicrafts to the USA during the year 2024-25 was Rs. 12,814.73 Crores (US $ 1,518.18 Million) with a share of more than 40% of total exports of Handicrafts from India informed by Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:
Shri. R. K. Verma, Executive Director, EPCH
+91-9810679868

Encl: Hindi & English version with photos

Photo 1, 2 & 3: Dr. Neeraj Khanna, Chairman – EPCH alongwith Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role Chief Mentor, EPCH and Chairman IEML addressing august gathering. The event also saw presence of Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH; Shri Hansraj Baheti, Member -COA; Prominent member exporters from Rajasthan:- Shri Naresh Bothra, Shri Nirmal Bhandari, Shri Lekhraj Maheswari, Shri Radheshyam Ranga, Shri Raju Mehta, Shri Priyesh Bhandari were present during awareness seminar on EUDR held today in Jodhpur, Rajasthan.

Photo 4 & 5: Dr. Neeraj Khanna, Chairman – EPCH alongwith Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH and Chairman, IEML; Shri Raviveer Choudhary, Assistant Director, O/o Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles; Shri Avdesh Agarwal, Chief Convener – EPCH; Shri Hansraj Baheti, Members – COA; Shri Lekhraj Maheswari, Shri Radheshyam Ranga, prominent member exporters, Shri R. K. Verma, Executive Director inaugurated Design & Technology Development Workshop (DDW) & Guru Shishya Hastshilp Prashikshan Program on Metal Craft today at Jodhpur.

Photo 6: The official interacted with participating artisans to encourage skill development and entrepreneurship.